निर्वैयक्तिक सम्बन्ध (VIII) अधिकारिक रिकॉर्ड।

मैक्स वेबर के विचारों की आलोचना (Criticism of the Ideas of Max Weber) :- (I) प्रशिक्षित अयोग्यता (II) व्यावसायिक मनः सन्ताप (III) संरचनात्मक अति अनुरूपता (IV) लचीलेपन का अभाव (V) साध्य की अपेक्षा साधन पर अधिक बल (VI) लकीर की फकीर (VII) लालफीताशाही (VIII) औपचारिकता (IX) अनुशासन (X) नीरसता (XI) विरोधाभास से परिपूर्ण (XII) शोध पर आधारित नहीं (XIII) विभाग वाद (XIV) रूढ़िवादी

वेबर द्वारा 'नौकरशाही के आदर्श रूप' की आलोचकों के तीखे प्रहारों की शिकार बनी है। इतने पर भी नौकरशाही के अध्ययन में वेबर का अद्वितीय स्थान है। इसके कटु आलोचक वाले जे. फ्रेडरिक ने उनकी प्रतिभा को स्वीकार करते हुए उसे अध्ययन की महत्वपूर्ण दिशाएँ खोलने वाला बताया है।

निष्कर्ष :- निष्कर्षतः हम देखते हैं कि सभी समाजों में वेबर सही सिद्ध हो रहे हैं, जब उन्होंने कहा था कि जो नौकरशाही के द्वारा एक बार शासित हुए हो उससे अलग कभी नहीं हो सकते। अफ्रीका एशिया देश भारत से मुक्त होकर विदेशी शासन से विमुक्त हो पाए पर औपनिवेशिक साधन द्वारा स्थापित नौकरशाही के व्यवहारों से नहीं।

(समाप्त)

डॉ० राजू मोची
विभागाध्यक्ष - राजनीति वि०
डी० के० कॉलेज, डुमराँव
दिनांक 07-07-2020

नौकरशाही / अधिकारी तंत्र / दफ्तरशाही / अफसरशाही (BUREAUCRACY)

भूमिका (Introduction) :- शासन के स्थायी अधिकारियों का समूह और उनका प्रशासनिक ढाँचा जो सार्वजनिक नीतियों (Public Policies) को क्रियान्वित करता है। ये अधिकारी 'राजनीतिक कार्यपालिका' (Political executive) का अंग नहीं होते बल्कि 'स्थायी कार्यपालिका' (Permanent Executive) का निर्माण करते हैं। इनके सदस्य विशेष योग्यताओं, प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर चुने जाते हैं, या उन्हें समुचित प्रशिक्षण देकर प्रशासन के महत्वपूर्ण कर्तव्यों को सँभालने के लिए तैयार किया जाता है। चूंकि ये अधिकारी या अफसर सरकार के नौकर होकर भी सरकार का संचालन करते हैं, इसलिए अधिकारी तंत्र को नौकरशाही या अफसरशाही भी कहते हैं। परन्तु

लोकतंत्र के अन्तर्गत ये अधिकारी प्रशासन के विभिन्न कार्यों के विशेषज्ञ होते हैं। अतः ये जिस 'सेवा' के अन्तर्गत संगठित होते हैं उसे प्रशासनिक सेवा (Administrative service) या सिविल सर्विस (Civil Service) कहा जाता है। इसके सार्वजनिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए इसे 'सार्वजनिक सेवा' (Public service) भी कहा जाता है। 'प्रशासनिक सेवा' का गठन स्थायी सेवा के रूप में किया जाता है परन्तु इसे दो अन्य सेवा 'सैनिक सेवा' Military service और न्यायिक सेवा Judicial service के कार्य क्षेत्र से भिन्न है।

नौकरशाही का अर्थ एवं प्रकृति (Meaning and Nature of Bureaucracy)

'नौकरशाही' का अंग्रेजी पर्यायवाची शब्द 'ब्यूरोक्रैसी' (Bureaucracy) फ्रांसीसी भाषा के 'ब्यूरो' शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ एक विभागीय उपसम्भाग अथवा विभाग से है। जो प्रायः सरकारी विभाग का परिचायक है। फ्रांस में इस शब्द का प्रयोग ड्राअर वाली मेज अथवा लिखने की डैस्क के लिए हुआ करता था। इस डैस्क पर ढके कपड़े को 'ब्यूरल' कहा जाता था तथा इसी के आधार पर निर्मित 'ब्यूरो' शब्द सरकारी कार्यों का परिचायक था। आगे चलकर इसका प्रयोग विशेष प्रकार की सरकार को चलाने के लिए संभवतः फ्रांसीसी क्रांति से पूर्व फ्रैंच सरकार के लिए किया गया। 19वीं शताब्दी में इसका सरकारी प्रयोग सारे यूरोप में किया जाने लगा। जहाँ-जहाँ सरकार में निरंकुशता, संकुचित दृष्टिकोण तथा सरकारी अधिकारियों की स्वेच्छाचारिता दिखाई पड़ी, वहीं उसे नौकरशाही कहा जाने लगा। धीरे-धीरे इसको आवश्यक नियमों का कठोर पालन, उत्तरदायित्व, जटिल प्रक्रियाओं तथा निहित स्वार्थों से लिया जाने लगा। द्वितीय महायुद्ध के पश्चात इसे 'पार्किन्सन कानून' की प्रतिमूर्ति मान लिया गया जिसका संकेत नौकरशाही द्वारा सत्ता, साम्राज्य निर्माण, साधनों का अपव्यय, [illegible] प्रभावपूर्ण प्रवृत्तियों से था। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका [illegible] शाही का अर्थ तानाशाह का, प्रजातंत्र का अर्थ जनता का

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

शासन होता है और उसी प्रकार ब्यूरोक्रेसी का अर्थ ब्यूरो (कार्यालय) का शासन है।
जे. एस. मिल ने नौकरशाही को समाज में सरकार के व्यावसायिक प्रशासक वर्ग के रूप में प्रयोग किया।

हरमन फाइनर ने भी नौकरशाही को 'सरकारी अधिकारियों का शासन' माना।

मोस्का के अनुसार 'नौकरशाही उच्चवर्गीय अधिकारियों का निरंकुश नियंत्रण है।"

पीटर ब्लाव (Peter Blau) ने कहा कि "नौकरशाही वह संगठन है जो प्रशासन में अधिकतम कुशलता लाता है।"

संक्षेप में नौकरशाही शब्द के विभिन्न प्रयोगों और अर्थों को देखकर यह कहा जा सकता है कि निश्चय ही यह शब्द पर्याप्त अस्पष्ट और अनेकार्थक है। इस सम्बन्ध में एफ. एम. मार्क्स का यह कथन सही प्रतीत होता है कि 'करोड़ो लोगों ने नौकरशाही शब्द नहीं सुना है, किन्तु जिस किसी ने भी सुना है वह या तो इसके प्रति शंकालु है अथवा यह समझता है कि नौकरशाही शब्द किसी न किसी बुरी बात से सम्बन्धित है। यद्यपि पूछे जाने पर इसका सही अर्थ बताने से कतरायेगा, किन्तु यह अवश्य कह देगा कि इसका मतलब कोई बुरी बात है।"

नौकरशाही तन्त्र उन सामाजिक संरचनाओं में एक है जिनको एक बार पूर्णतया स्थापित हो जाने के बाद नष्ट करना सबसे ज्यादा कठिन है।" एक विद्वान के अनुसार आज जब सरकार का प्रमुख कुल कार्य का विनियमन न होकर संचालन हो गया तो प्रशासनिक राज्य का स्थान नौकरशाही राज्य लेने लगा है।

अधिकारीतंत्र (नौकरशाही) का विश्लेषण (Analysis of Bureaucracy) मैक्सवेबर के शब्दों में :- जर्मन समाजवैज्ञानिक मैक्स वेबर (1864-1920) ने आधुनिक राज्य के अधिकारी तंत्र को कानूनी तर्कसंगत सत्ता (Legal Rational Authority) का सर्वोत्तम उदाहरण मानते हुए उनका विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया है। अधिकारीतंत्र के भिन्न-भिन्न प्रतिदर्शों (Samples) की विशेषताओं को एक साथ मिलाकर वेबर ने इसका एक 'आदर्श प्ररूप' (Ideal type) इस तरह तैयार किया है :- इसमें कानूनी तौर पर यह निर्धारित किया जाता है कि उच्चाधिकारियों (High official) और उनके अधीनस्थ (Subordinate) कर्मचारियों के बीच क्या संबंध रहेगा, उनके अपने-अपने अधिकार और कर्तव्य लिखित नियमों और विनियमों (Rules and Regulations) के अन्तर्गत निर्दिष्ट कर दिए जाते हैं। भिन्न पदों के बीच सत्तामूलक संबंध व्यवस्थित रूप में स्थापित कर दिए जाते हैं।

वेबर ने अधिकारी तंत्र की जो संकल्पना प्रस्तुत की है उसके आलोचक भी इसका खण्डन नहीं कर पाए है। उन्होंने लिखा है कि यदि आरंभिक पूँजीवाद की मुख्य विशेषता संपत्ति थी तो उन्नत पूँजीवाद में उसकी जगह संगठन शक्ति ने ले ली है। इसके अन्तर्गत कामगार (Worker) संपत्ति के मातहत नहीं रहा, बल्कि अपने कार्यस्थल (Work-Place) के मातहत हो गया।

विशेषताएँ (वेबर के अनुसार) Features :- (I) स्पष्ट श्रम विभाजन (II) निश्चित कार्य प्रक्रिया (III) कार्यों को पूरा करने के लिए विधिपूर्वक व्यवस्था (IV) पद सोपान पद्धति (V) पद के लिए अर्हताएँ अथवा योग्यताएँ (VI) वेतन तथा पेंशन अधिकार (VII)

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA